NEWSLETTER

Saturday, 28 september 2024 | Volume - 117

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

WEATHER REPORT

NORTH :

CENTRAL :

SOUTH :

GOLD : 75730

SILVER : 91400

CRUD : 5694

" कपास उत्पादन पर अनिश्चित मानसून का प्रभाव: बुआई में गिरावट और निर्यात पर संकट "

चालू मानसून सीजन ने भारत में कपास उगाने वाले राज्यों, खासकर महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना और मध्य प्रदेश को काफी प्रभावित किया है। इस साल मानसून अनिश्चित रहा है, कुछ इलाकों में अत्यधिक बारिश हुई है तो कुछ इलाकों में सूखे जैसी स्थिति है।

देरी और अधिक बारिश : महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे राज्यों में, महत्वपूर्ण फसल अवधि के दौरान अत्यधिक बारिश के कारण जलभराव हो गया है, जिससे कपास के पौधों को नुकसान हो सकता है, जिससे जड़ सड़ सकती है और उपज क्षमता कम हो सकती है। बारिश में देरी ने बुवाई गतिविधियों में भी बाधा डाली है, जिससे उत्पादन अनुमानों पर और असर पड़ा है।

कम उत्पादन पूर्वानुमान : यूएसडीए की सितंबर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिकूल मौसम स्थितियों और कीटों के संक्रमण के कारण भारत के कपास उत्पादन में गिरावट आने का अनुमान है। भारत के उत्पादन के पूर्वानुमान को 2024-25 के लिए संशोधित कर 26.5 मिलियन गांठ कर दिया गया है(यूएसडीए

कीटों का दबाव : प्रतिकूल मौसम के साथ-साथ कीटों के संक्रमण (जैसे कि गुलाबी बॉलवर्म) ने कुछ क्षेत्रों में कपास की फसलों पर और दबाव डाला है, जिससे उपज की गुणवत्ता और मात्रा कम हो गई है।

इन स्थितियों ने भारत के कुल कपास उत्पादन को कम कर दिया है, लेकिन कपड़ा क्षेत्र की मजबूत मांग के कारण घरेलू खपत मजबूत बनी हुई है। आपूर्ति और मांग के बीच यह असंतुलन स्थानीय बाजारों में कपास की कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

भारत की वार्षिक मानसून वर्षा, कृषि के लिए और जलाशयों और जलमंडलों को भरने के लिए आवश्यक पानी का लगभग 70% प्रदान करती है, जो लगभग $3.5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। बिना सिंचाई के, भारत की लगभग आधी कृषि भूमि मानसून की बारिश पर निर्भर करती है, जो आमतौर पर जून से सितंबर तक चलती है।

सामान्य रूप से मानसून जून में शुरू होता है और 17 सितंबर तक पीछे हटना शुरू कर देता है, लेकिन इस साल बारिश जारी रही, जिससे जलाशय तो भरे, लेकिन कुछ राज्यों में फसल कटाई को नुकसान हुआ जो कटाई के लिए तैयार थीं।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 13 सितंबर तक कपास की बुआई घटकर 11.24 मिलियन हेक्टेयर रह गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 12.36 मिलियन हेक्टेयर थी। यह गिरावट हाल के वर्षों में भारतीय कपास उत्पादन के सामने पहले से ही मौजूद चुनौतियों को और बढ़ा देती है।

उद्योग के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, "उत्पादन में कमी आ रही है और इस साल कम बुआई के स्तर से कपास की गांठों का उत्पादन और कम होने की उम्मीद है।" उम्मीद है कि तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक में गर्मियों में बुआई से अतिरिक्त योगदान के साथ बुआई 11.6 मिलियन हेक्टेयर तक पहुंच सकती है।

निर्यात पर प्रभाव

कपास उत्पादन में गिरावट से भारत के कपड़ा निर्यात पर असर पड़ सकता है, जो पहले से ही गिरावट की ओर है। वित्त वर्ष 22 में 41.12 बिलियन डॉलर के शिखर पर पहुंचने के बाद, वित्त वर्ष 23 में कपड़ा निर्यात गिरकर 35.55 बिलियन डॉलर और वित्त वर्ष 24 में 34.40 बिलियन डॉलर पर आ गया। कपास की बुआई में कमी के कारण, वित्त वर्ष 25 तक सरकार के 40 बिलियन डॉलर से अधिक के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण होगा।

निष्कर्ष में, अनियमित मानसून, अत्यधिक वर्षा और कीटों की समस्या प्रमुख राज्यों में कपास उत्पादन को कम कर रही है, जो संभावित मूल्य वृद्धि के कारण कृषक समुदाय और कपड़ा उद्योग दोनों को प्रभावित कर सकती है।

सुनहरा अवसर

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हजार से ज्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने बिजनेस की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा अवसर

जानकारी के लिये संपर्क करें-
9111677775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91116 77771

WEEKLY CHART 28.09.2024

ICE COTTON			
MONTH	20.09.24	27.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	73.52	72.72	-0.80
MAR'25	75.14	74.52	-0.62
MAY'25	76.16	75.61	-0.55
MCX (COTTON)			
NOV	58800	58100	-700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1625.5	1622	-4
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	3031	3039	8
JAN	2989	2981	-8
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.56	83.70	0.14
PAK (Pakistani Rupee)	278.245	278.169	-0.076
CNY (Chinese yuan)	7.05059	7.01104	-0.03955
BRAZIL (Real)	5.51463	5.43393	-0.0807
AUSTRALIAN Dollar	1.46886	1.44846	-0.0204
MALAYSIAN RINGGITS	4.20307	4.12635	-0.07672
COTLOOK "A" INDEX	84.55	84.65	0.1
BRAZIL COTTON INDEX	72.05	74.16	2.11
USDA SPOT RATE	67.13	66.40	-0.73
MCX SPOT RATE	59920	58900	-1020
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	17500	-1200
GOLD ($)	2646.20	2689.90	43.7
SILVER ($)	31.505	31.958	0.453
CRUDE ($)	71.00	68.18	-2.82

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.80 सेंट, मार्च 0.62 एवं मई 0.55 सेंट तक गिरे।

वही भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में नवंबर माह में 700 रुपऐ की गिरावट देखने को मिली।

NCDEX पर कपास के भाव 4 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव देखे तो दिसंबर माह में 8 रुपए बढ़े, जबकि जनवरी माह में 8 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.73 सेंट गिरा, वही MCX स्पॉट रेट में 1,020 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	23.09.24	24.09.24	25.09.24	26.09.24	27.09.24	28.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	800	1,100	1,500	1,500	1,600
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	800	1,100	1,500	1,500	1,600
GUJARAT	4,200	4,700	5,200	4,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	4,000	2,000	3,000	2,000	1,000	1,000
MAHARASHTRA	1,500	1,200	1,200	1,200	1,000	1,000
CENTRAL ZONE	9,700	7,900	9,400	7,400	5,200	5,200
KARNATAKA	2,000	4,000	3,000	3,500	4,000	4,000
ANDHRA PRADESH	1,000	2,000	4,000	4,000	4,000	4,000
TELANGANA	600	1,000	1,000	1,000	1,500	1,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	3,600	7,000	8,000	8,500	9,500	9,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	13,800	15,700	18,500	17,400	16,200	15,800

ARRIVAL IN 170 Kg.

महाराष्ट्र की कपास की फसल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं

मराठवाड़ा, जिसे कपास उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, इस साल परभणी और लातूर को छोड़कर किसी भी जिले में अपेक्षित स्तर पर कपास की बुआई नहीं हो पाई है। इसके अलावा, प्रतिकूल मौसम की स्थिति अब भी जारी है, जिससे कपास की फसल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

छत्रपति संभाजीनगर कृषि प्रभाग के अंतर्गत तीन जिलों में, 10 लाख 59 हजार 324 हेक्टेयर की औसत बुआई के मुकाबले केवल 9 लाख 18 हजार 3 हेक्टेयर पर ही कपास की खेती की गई। वहीं, लातूर कृषि प्रभाग के पांच जिलों में 4 लाख 85 हजार 88 हेक्टेयर की औसत बुआई की तुलना में केवल 4 लाख 54 हजार 806 हेक्टेयर पर कपास की बुआई हुई। परभणी, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड और नांदेड़ जैसे जिलों को मुख्य कपास उत्पादक जिले माना जाता है, लेकिन इस बार परभणी को छोड़कर बाकी जिलों में कपास की बुआई उम्मीद के अनुसार नहीं हो पाई। दूसरी ओर, लातूर जैसे जिलों में, जहां सोयाबीन की बुआई अधिक होती है, कपास का क्षेत्रफल औसत से दोगुने से भी अधिक हो गया है।

हालांकि, लातूर का क्षेत्रफल कपास के पारंपरिक उत्पादक जिलों के मुकाबले काफी छोटा है, फिर भी यहां खेती में वृद्धि को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लातूर जिले के जलकोट और अहमदपुर तालुकों में कपास का क्षेत्र प्रमुख है। किसानों ने बताया कि वर्तमान में कपास की फसल फूल और डोडे की अवस्था में है, जहां 10 से 12 से लेकर 30 से 40 डोडे तक देखे जा रहे हैं।

लगातार संकट बने हुए हैं

सितंबर की शुरुआत में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर कपास की फसल को अचानक मरने की समस्या से जूझना पड़ा। जिन किसानों ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया, उन्हें आंशिक सफलता मिली। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में बारिश के कारण अचानक मौत का खतरा अभी भी बना हुआ है। इसके अलावा, कीट, रोग और रस चूसने वाले कीड़ों के प्रकोप से कपास की फसल पर बंडसाड और ललिया जैसे रोगों का असर भी देखा जा रहा है। बीड जिले के बीड, शिरूर कसार, गेवराई और माजलगांव तालुकों में अचानक मौत की समस्या गंभीर रूप से देखी गई, जिसे कृषि विभाग ने दर्ज किया है। विशेषज्ञों ने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर और जालना जिलों के कुछ हिस्सों में भी यह समस्या जारी है।

TOP 4 NEWS OF THE WEEK

हरियाणा की अनाज मंडियों में कपास न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक दाम पर बिक रहा है।

इस समय उपमंडल की अनाज मंडी में कपास की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक कीमत पर बिक रही है। इसका प्रमुख कारण कपास की खेती के क्षेत्र में कमी और बारिश के कारण जलभराव से उत्पादन में गिरावट है। हालांकि बारिश से फसल को नुकसान हुआ है, लेकिन ऊंचे दाम मिलने से किसानों को कुछ राहत मिल रही है। वर्तमान में होडल की मंडी में किसान कपास बेचने पहुंच रहे हैं, जहां कपास की कीमत 7400 से 7900 रुपये प्रति क्विंटल तक है।

भारत में अतिरिक्त वर्षा के साथ मानसून की वापसी शुरू

भारत में इस वर्ष मानसून ने सामान्य से लगभग एक सप्ताह देरी से उत्तर-पश्चिम से पीछे हटना शुरू किया, जैसा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने एक बयान में बताया।

आँध्रप्रदेश में कपास की खेती पर बढ़ती लागत और घटती पैदावार का संकट

लगातार चार साल से कपास की खेती से जूझ रहे किसान अब भी उम्मीद के साथ फसल बो रहे हैं, लेकिन खराब मौसम और कीटों के कारण उन्हें लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।

टेक्सटाइल मिलों ने कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से तमिलनाडु में गोदाम स्थापित करने का आग्रह किया

साउथ इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन (SISPA) ने कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (CCI) से तमिलनाडु में कॉटन गोदाम स्थापित करने का अनुरोध किया है, क्योंकि राज्य में कपड़ा मिलें देश भर में उत्पादित कपास का 45% खपत करती हैं।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

नार्थ झोन के पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान राज्य में 110-125 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश राज्य में 300-1600 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई।

साउथ झोन के कर्णाटक, ओड़िशा, आँध्रप्रदेश, तेलंगाना राज्य में 500-1300 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 28.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	23.09.2024		28.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,915	5,925	5,800	5,815	-110
HARYANA	27.5/28	5,825	5,825	5,700	5,700	-125
UPPER RAJASTHAN	28	5,525	5,925	5,400	5,800	-125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,700	61,100	58,600	59,500	-1,600
MADHYA PRADESH	29	59,300	59,600	58,600	58,800	-800
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,800	59,800	58,500	59,500	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,500	60,600	59,900	60,000	-600
KARNATAKA	29.5+	59,000	59,500	58,500	59,000	-500
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	59,000	59,500	58,500	59,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,300	60,800	58,800	59,500	-1,300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 28 september 2024 | Volume - 117

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

WEATHER REPORT

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

GOLD : 75730
SILVER : 91400
CRUD : 5694

" Erratic Monsoon Impact on Cotton Production: Sowing Fall and Export Crisis "

The ongoing monsoon season has significantly impacted cotton growing states in India, especially Maharashtra, Gujarat, Telangana and Madhya Pradesh. The monsoon has been erratic this year, with some areas receiving excessive rainfall and some areas experiencing drought-like conditions.

Delayed and Excess Rainfall: In states like Maharashtra and Telangana, excessive rains during the crucial crop period have led to waterlogging, which can damage cotton plants, leading to root rot and reduced yield potential. Delayed rains have also hampered sowing activities, further impacting production estimates.

Lower Production Forecast: India's cotton production is projected to decline due to these adverse weather conditions and pest infestation, according to the USDA September 2024 report. India's production forecast has been revised to 26.5 million bales for 2024-25 (USDA ERS) (Textile Trade Buddy). This is lower than earlier estimates, reflecting the negative impact of the monsoon.

Pest pressure: Adverse weather as well as pest infestations (such as the pink bollworm) have put further pressure on cotton crops in some areas, reducing the quality and quantity of yields.

These conditions have reduced India's overall cotton production, but domestic consumption remains robust due to strong demand from the textile sector. This imbalance between supply and demand can put pressure on cotton prices in local markets.

India's annual monsoon rainfall provides about 70% of the water needed for agriculture and to fill reservoirs and hydroponics, the mainstay of the nearly $3.5 trillion economy. Without irrigation, about half of India's agricultural land depends on monsoon rains, which typically last from June to September.

The monsoon normally begins in June and begins retreating by September 17, but this year the rains continued, filling reservoirs but damaging crops ready for harvest in some states.

Cotton sowing fell to 11.24 million hectares as of September 13, from 12.36 million hectares in the same period last year, according to agriculture ministry data. The drop adds to the challenges already facing Indian cotton production in recent years.

"Production has been declining and lower sowing levels this year are expected to further reduce cotton bale production," an industry insider said. Sowing is expected to reach 11.6 million hectares with additional contribution from summer sowing in Tamil Nadu, Telangana and Karnataka.

Impact on exports

A fall in cotton production could impact India's textile exports, which are already on a decline. After reaching a peak of $41.12 billion in FY22, textile exports fell to $35.55 billion in FY23 and $34.40 billion in FY24. Due to reduced cotton sowing, achieving the government's export target of over $40 billion by FY25 will be challenging.

In conclusion, erratic monsoon, excessive rainfall and pest problems are reducing cotton production in key states, which may impact both the farming community and the textile industry due to potential price rise.

सुनहरा अवसर

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हजार से ज्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने बिजनेस की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा अवसर

जानकारी के लिये संपर्क करें-
9111677775

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 28.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	20.09.24	27.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	73.52	72.72	-0.80
MAR'25	75.14	74.52	-0.62
MAY'25	76.16	75.61	-0.55
MCX (COTTON)			
NOV	58800	58100	-700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1625.5	1622	-4
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	3031	3039	8
JAN	2989	2981	-8
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.56	83.70	0.14
PAK (Pakistani Rupee)	278.245	278.169	-0.076
CNY (Chinese yuan)	7.05059	7.01104	-0.03955
BRAZIL (Real)	5.51463	5.43393	-0.0807
AUSTRALIAN Dollar	1.46886	1.44846	-0.0204
MALAYSIAN RINGGITS	4.20307	4.12635	-0.07672
COTLOOK "A" INDEX	84.55	84.65	0.1
BRAZIL COTTON INDEX	72.05	74.16	2.11
USDA SPOT RATE	67.13	66.40	-0.73
MCX SPOT RATE	59920	58900	-1020
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	17500	-1200
GOLD ($)	2646.20	2689.90	43.7
SILVER ($)	31.505	31.958	0.453
CRUDE ($)	71.00	68.18	-2.82

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices fell by 0.80 cents in December, 0.62 cents in March and 0.55 cents in May.

On the Indian market MCX, cotton prices fell by Rs 700 in the month of November.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 4 per 20 kg, while the price of oil cake rose by Rs 8 in December, while a decline of Rs 8 per quintal was recorded in January.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate fell by 0.73 cents, while MCX spot rate saw a decline of Rs 1,020 per candy.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	23.09.24	24.09.24	25.09.24	26.09.24	27.09.24	28.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	800	1,100	1,500	1,500	1,600
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	800	1,100	1,500	1,500	1,600
GUJARAT	4,200	4,700	5,200	4,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	4,000	2,000	3,000	2,000	1,000	1,000
MAHARASHTRA	1,500	1,200	1,200	1,200	1,000	1,000
CENTRAL ZONE	9,700	7,900	9,400	7,400	5,200	5,200
KARNATAKA	2,000	4,000	3,000	3,500	4,000	4,000
ANDHRA PRADESH	1,000	2,000	4,000	4,000	4,000	4,000
TELANGANA	600	1,000	1,000	1,000	1,500	1,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	3,600	7,000	8,000	8,500	9,500	9,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	13,800	15,700	18,500	17,400	16,200	15,800
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Clouds of crisis loom over Maharashtra's cotton crop

Marathwada, which is known as a cotton producing region, has not been able to sow cotton at the expected level in any district except Parbhani and Latur this year. Apart from this, adverse weather conditions are still continuing, due to which there is uncertainty about the future of cotton crop.

In three districts under Chhatrapati Sambhajinagar Agriculture Division, cotton was cultivated on only 9 lakh 18 thousand 3 hectares as against the average sowing of 10 lakh 59 thousand 324 hectares. At the same time, in the five districts of Latur Agriculture Division, cotton was sown on only 4 lakh 54 thousand 806 hectares as against the average sowing of 4 lakh 85 thousand 88 hectares. Districts like Parbhani, Chhatrapati Sambhajinagar, Jalna, Beed and Nanded are considered to be the main cotton producing districts, but this time cotton sowing could not be done as expected in the rest of the districts except Parbhani. On the other hand, in districts like Latur, where soybean sowing is more, cotton acreage has more than doubled from the average.

Although Latur's area is much smaller than the traditional cotton producing districts, the increase in cultivation here is considered significant. Cotton acreage is prominent in Jalkot and Ahmedpur talukas of Latur district. Farmers said that currently the cotton crop is in the flowering and boll stage, where 10 to 12 to 30 to 40 bolls are being seen.

Persistent crises

Due to heavy rains in early September, cotton crop had to face the problem of sudden death in many places. Farmers who tried to control it got partial success. However, the danger of sudden death due to rain still remains in some areas. Apart from this, the impact of diseases like Bandsad and Lalia is also being seen on the cotton crop due to the infestation of pests, diseases and sucking insects. The problem of sudden death was seen severely in Beed, Shirur Kasar, Gevrai and Majalgaon talukas of Beed district, which has been recorded by the agriculture department. Experts said that this problem is also persisting in some parts of Chhatrapati Sambhajinagar and Jalna districts.

TOP 4 NEWS OF THE WEEK

Cotton is being sold at a price higher than the minimum support price in the grain markets of Haryana.

At present, the cotton crop is being sold at a price higher than the minimum support price (MSP) in the grain market of the sub-division. The main reason for this is the decrease in the area of cotton cultivation and the fall in production due to waterlogging due to rain. Although the crop has been damaged due to rain, the farmers are getting some relief by getting high prices. Currently, farmers are reaching Hodal Mandi to sell cotton, where the price of cotton is from Rs 7400 to Rs 7900 per quintal.

Monsoon begins to retreat in India with additional rainfall

This year the monsoon in India started retreating from the northwest about a week later than normal, as the India Meteorological Department (IMD) said in a statement.

Cotton farming in Andhra Pradesh facing crisis of rising cost and falling yield

Fighting cotton farming for four consecutive years, farmers are still sowing the crop with hope, but due to bad weather and pests, they are continuously suffering losses.

Textile mills urge Cotton Corporation of India to set up warehouses in Tamil Nadu

The South India Spinners Association (SISPA) has requested the Cotton Corporation of India (CCI) to set up cotton warehouses in Tamil Nadu, as textile mills in the state consume 45% of the cotton produced across the country.

This week, the international market witnessed a decline.

This week, the international market witnessed a decline.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a decline of Rs. 110-125 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Maharashtra, Madhya Pradesh witnessed a decline of Rs. 300-1600 per candy.

South Zone states of Karnataka, Odisha, Andhra Pradesh, Telangana witnessed a decline of Rs. 500-1300 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 28.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	23.09.2024		28.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,915	5,925	5,800	5,815	-110
HARYANA	27.5/28	5,825	5,825	5,700	5,700	-125
UPPER RAJASTHAN	28	5,525	5,925	5,400	5,800	-125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,700	61,100	58,600	59,500	-1,600
MADHYA PRADESH	29	59,300	59,600	58,600	58,800	-800
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,800	59,800	58,500	59,500	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,500	60,600	59,900	60,000	-600
KARNATAKA	29.5+	59,000	59,500	58,500	59,000	-500
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	59,000	59,500	58,500	59,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,300	60,800	58,800	59,500	-1,300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						